Date..........

Section - 5

Question Answer - 03

प्रदूषण तथा इसके सम्बन्धित विधान:- विश्व स्तर पर प्रदूषण की गम्भीर समस्या को सुलझाने तथा पर्यावरण की रक्षा के लिए 5 जून 1972 को स्वीडन में संयुक्त राष्ट्र मानव पर्यावरण कान्फ्रेंस (U.N. Conference on human Environmental) की गई, जहाँ मानव के पर्यावरण की सुरक्षा तथा सुधार के लिए विभिन्न प्रस्ताव प्रस्तावित किये गये। भारतवर्ष एक ऐसा प्रथम देश है, जिसने पर्यावरण की सुरक्षा तथा संरक्षण के लिए संविधान की व्यवस्था की। संयुक्त राष्ट्र मानव पर्यावरण कान्फ्रेंस के तुरन्त बाद भारत ने पर्यावरण के सुरक्षा के विभिन्न एक्ट पारित किये। वन्य सुरक्षा एक्ट 1972 में वन संरक्षण एक्ट 1980 में जल एक्ट, 1974 में (वायु प्रदूषण की रोकथाम तथा नियन्त्रण) एक्ट 1981 में तथा पर्यावरण सुरक्षा एक्ट 1986 में पारित किया गया।

वन्य जीवन सुरक्षा एक्ट -

(i) विनिर्दिष्ट पदार्थों को तोड़ने, उखाड़ने आदि पर प्रतिबन्ध है।
(ii) विनिर्दिष्ट पदार्थों के बिना लाइसेन्स पादपों की खेती पर प्रतिबन्ध है।
(iii) इन पादपों को लाइसेन्स द्वारा ही रखा जा सकता है।
(iv) विनिर्दिष्ट पादपों की खरीद आदि लाइसेन्स युक्त डीलर से ही करना चाहिए।

प्रदूषण की रोकथाम तथा नियन्त्रण -

यह एक्ट 23 मार्च 1974 को उन राज्यों तथा केन्द्रशासित प्रदेशों में लागू किया गया जिनके लिए यह बना था एक्ट का प्रमुख उद्देश्य किसी भी तरह से जल के प्रदूषण को रोकना था। वास्तव में जल प्रदूषण एक बुराई है।